Dr. Madhukarrao Wasnik
PWS Arts and Commerce College
Kamptee Road, Nagpur-26

Books Published in 2018-2019

Sr. No.	Name of the Book	Name of Editor	Text Book/ Ref Book	Publisher	Date
1.	Dr. Mithilesh Awasthi: Srishti evam Drishti ISBN: 978—93-86248-94-7	Dr. Sumedh Nagdewe	Anthology of Essays	Vidya Prakashan, Kanpur	2018

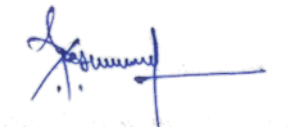

Principal

Dr. Yeshwant Patil

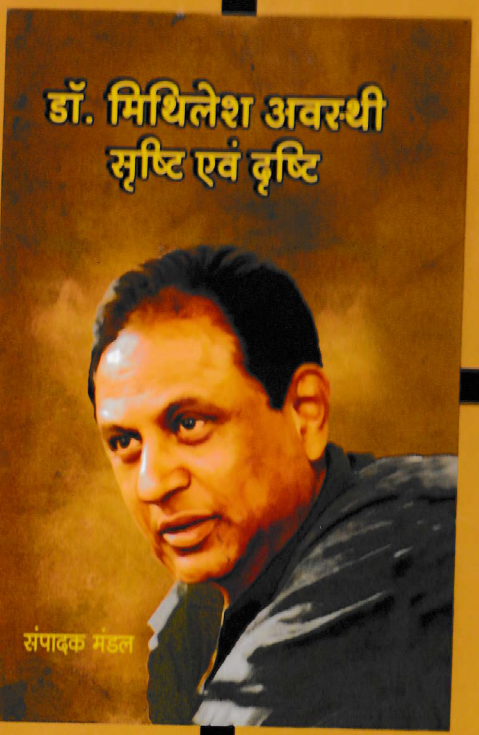

डॉ. मिथिलेश अवस्थी सृष्टि एवं दृष्टि

संपादक मंडल

डॉ. मिथिलेश अवस्थी सृष्टि एवं दृष्टि • संपादक मंडल

ISBN : 978-93-86248-94-7
₹ 695/-

विद्या प्रकाशन
'सी' 449 गुजैनी
कानपुर-208 022
E-mail : vidyaprakashan.knp@gmail.com
Website : www.vidyaprakashankanpur.com

डॉ. मिथिलेश अवस्थी
सृष्टि एवं दृष्टि

संपादक मण्डल

संजय तिवारी

(निवासी संपादक, दैनिक नवभारत, नागपुर)

डॉ. हरिशंकर द्विवेदी (होशंगाबाद)
डॉ. हरेराम पाठक (डिगबोई, असम)
डॉ. अशोक धुलधुले (नासिक)
डॉ. विजय गाड़े (सांगली)
डॉ. सुमेध नागदेवे (नागपुर)
डॉ. बसंत त्रिपाठी (प्रयागराज)
डॉ. अशोक सभ्रवाल (चण्डीगढ़)
डॉ. ईश्वर पवार (शिरूर)
डॉ. अनिल दुबे (वर्धा)
श्रीमती दीप्ति अवस्थी (नागपुर)

विद्या प्रकाशन
सी, 449, गुजैनी, कानपुर - 22

ISBN : 978-93-86248-94-7

पुस्तक	:	डॉ. मिथिलेश अवस्थी : सृष्टि एवं दृष्टि
संपादक	:	संजय तिवारी
प्रकाशक	:	**विद्या प्रकाशन** सी-449, गुजैनी, कानपुर-22 दूरभाष : (0512) 2285003 मो० : 09415133173 Website: www.vidyaprakashankanpur.com E-mail : vidyaprakashan.knp@gmail.com
संस्करण	:	प्रथम 2019
शब्द सज्जा	:	शिखा ग्राफिक्स, जूही, कानपुर
मुद्रक	:	श्री पूजा प्रिण्टर्स, नौबस्ता, कानपुर
मूल्य	:	₹695/-

Dr. Mithilesh Awasthi : Srashti avam Drashti

Edited By : Sanjay Tiwari

Price : Six Hundred Ninety Five Only

ग्रंथ के संदर्भ में.....

व्यक्ति कोई भी हो व्यक्तिशः बनता है परंतु व्यक्तित्त्वशः बना रहता है। आज के भौतिकता तथा तांत्रिकता से प्रभावित युग में संवेदनाओं का क्षरण तथा आदर्शों का विखंडन निरंतर जारी है। शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में मानवीय कुंठाओं तथा वर्जनाओं ने प्रवेश कर अपनी दखल देना शुरू कर दिया है। परिणामस्वरूप शिक्षा का क्षेत्र कठोर प्रश्नों के घेरे में आता जा रहा है वहीं 'शिक्षक' का चेहरा अविश्वसनीय होता जा रहा है। यह स्थिति न तो समाज के लिए अच्छी है और न राष्ट्र के लिए। ऐसे समय में डॉ. मिथिलेश अवस्थी के जीवन मूल्यों, सिद्धांतों, अनुपालन के तरीकों की चर्चा गंभीरता के साथ होना समय की आवश्यकता है।

परिवार का जिम्मेदार सदस्य होना, सामाजिक दायित्त्व बोध के निर्वाह में सतत क्रियाशील होना, रिश्तों के निर्वाह में संवेदनशील होना, गंभीर अध्येता होना, आदर्श प्राध्यापक होना, सजग पत्रकार होना, एक अच्छा इंसान होना अच्छी बात है किंतु इन सब या इनसे भी ज्यादा विशेषताओं का एक ही व्यक्ति में केंद्रित होना दुर्लभ होता है। शिक्षा एवं समाज दोनों क्षेत्रों में सशक्त एवं प्रभावशाली भूमिका का निर्वाह करने वाले डॉ. अवस्थी का स्वयं का निर्माण कैसे हुआ, उनके अपने समय की सच्चाई, परिस्थिति जन्य संघर्ष, भोगा हुआ यथार्थ, क्या तथा किस रूप में रहा इसे प्रबुद्ध समाज के सामने लाना उनके अपनों की जिम्मेदारी है। इस दायित्त्व को पूरा करने हेतु डॉ. अवस्थी को केंद्र में रखकर एक ग्रंथ के प्रकाशन की योजना लगभग चार वर्षों से विचाराधीन थी परंतु डॉ. अवस्थी हमेशा यह कह कर सक्रिय नहीं होने देते थे कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। समय-समय पर इस विषय को लेकर चर्चा होती रही और योजना टलती रही लेकिन जब उनके सामने यह स्थिति रखी गई कि अब इस तरह के ग्रंथ का लाभ आपके अध्यापकीय जीवन में किसी भी रूप में नहीं होने वाला तब जाकर बड़े संकोच से हरी झंडी मिली।

किसी भी ऐसे व्यक्ति के बारे में जिसका व्यक्तित्त्व बहुआमामी हो, लिखना तो आसान हो सकता है किंतु किसी ऐसे ग्रंथ की योजना, जिसमें उसके व्यक्तित्त्व के सभी पहलू आ जाएँ, अपेक्षाकृत मुश्किल है। अनेक लोगों के सहयोग के बिना ऐसे ग्रंथ के संपादन का औचित्य सिद्ध कर पाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसलिए ग्रंथ की